Reporters Required!
For
Delhi, Haryana, UP,
Ludhiana, Shimla,
Bihar, Jammu, Jaipur
Amritsar, Bathinda,
Call/WhatsApp:
+91-9157875000
+91-9815619715
Email:
azadvaani65@gmail.com

Monthly Hindi/English Newspaper

Published from SAS Nagar (Mohali)

Azad वाणी

NEWS • VIEWS • ANALYSIS

RNI No.
PBBIL/26/A0779

Sun - 10 May - 2026 | Year - 01 | Issue - 34 | Page - 01 | Rs. - 5 | www.azadvaani.com

एफएसएआई चंडीगढ़ चैप्टर ने आयोजित की भव्य “इंडिया फायर एंड सिक्योरिटी यात्रा 2026

चंडीगढ़। Fire & Security Association of India के चंडीगढ़ चैप्टर द्वारा 9 मई 2026 को सेक्टर-31 स्थित Confederation of Indian Industry में प्रतिष्ठित “इंडिया फायर एंड सिक्योरिटी यात्रा (IFSY) 2026” तथा चैप्टर के नए पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में फायर एवं सिक्योरिटी सेक्टर से जुड़े 150 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें उद्योग विशेषज्ञ, आर्किटेक्ट्स, इंजीनियर्स, कंसल्टेंट्स, सरकारी अधिकारी, सुरक्षा विशेषज्ञ और विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मार्कफेड के जीएम एवं पूर्व जॉइंट टैक्स कमिश्नर मोहाली श. जसजीत सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम में श्री अंकुर गुप्ता, श्री ललित दत्त, श्री कुमार वैभव, आर्किटेक्ट प्रीतपाल आहलूवालिया, आर्किटेक्ट मनमोहन खन्ना, आर्किटेक्ट स्वाति बहल, डॉ. बलकार सिंह सहित कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज करवाई।

समारोह के दौरान आर्किटेक्ट नागेंद्र नारायण ने एफएसएआई चंडीगढ़ चैप्टर के अध्यक्ष पद की शपथ ग्रहण की। वहीं इंजीनियर मनी खन्ना ने प्रेसिडेंट-इलेक्ट तथा श. संजीव भारद्वाज ने चैप्टर सचिव के रूप में पदभार संभाला। नए पदाधिकारियों ने संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने तथा क्षेत्र में फायर सेफ्टी और सिक्योरिटी जागरूकता को मजबूत करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में फायर सेफ्टी, डिजास्टर मैनेजमेंट, बिल्डिंग सिक्योरिटी सिस्टम और आधुनिक तकनीकों पर विस्तृत चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने भवन सुरक्षा से जुड़े नए ट्रेंड्स, चुनौतियों और भविष्य की योजनाओं पर अपने विचार साझा किए। वक्ताओं ने कहा कि तेजी से विकसित होते शहरी ढांचे में फायर और लाइफ सेफ्टी सिस्टम की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो गई है तथा इसके प्रति जनजागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है।

नव-नियुक्त पदाधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि एफएसएआई चंडीगढ़ चैप्टर आने वाले समय में तकनीकी प्रशिक्षण, प्रोफेशनल डेवलपमेंट, इंडस्ट्री कोलैबोरेशन और सेफ इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिए लगातार कार्य करेगा। उन्होंने युवाओं और तकनीकी विशेषज्ञों को इस मिशन से जोड़ने की भी बात कही।

कार्यक्रम के दौरान सिस्टम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सीडब्ल्यूसी सदस्यों को सम्मानित करते हुए प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। इनमें आर्किटेक्ट अमित शर्मा, सीमा शर्मा, आर्किटेक्ट किरण गांधी, आर्किटेक्ट रजनीश वाधवा, इंजीनियर राजन मित्तल, इंजीनियर बसंत यादव और अतुल कुमार अरोड़ा सहित कई सदस्यों को सम्मानित किया गया।

ट्राइसिटी को मिलेगी ट्रैफिक जाम से राहत: छह-लेन एक्सेस कंट्रोल हाईवे स्पर परियोजना को केंद्र की मंजूरी

चंडीगढ़, मोहाली और पंचकूला समेत पूरे ट्राइसिटी क्षेत्र में बढ़ते ट्रैफिक दबाव को कम करने की दिशा में एक बड़ी पहल सामने आई है। केंद्र सरकार ने ट्राइसिटी की कनेक्टिविटी को मजबूत बनाने के लिए प्रस्तावित छह-लेन एक्सेस कंट्रोल हाईवे स्पर परियोजना को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना को क्षेत्र के यातायात ढांचे के लिए गेम चेंजर माना जा रहा है और इसके लागू होने के बाद ट्रैफिक व्यवस्था में बड़ा सुधार आने की उम्मीद जताई जा रही है। पिछले कुछ वर्षों में ट्राइसिटी क्षेत्र की आबादी और वाहनों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। चंडीगढ़, मोहाली और पंचकूला के बीच प्रतिदिन लाखों लोग आवागमन करते हैं, जिसके कारण प्रमुख सड़कों और चौकों पर लगातार जाम की स्थिति बनी रहती है। खासतौर पर ऑफिस समय में लोगों को लंबी देरी और भारी ट्रैफिक का सामना करना पड़ता है। ऐसे में यह नई हाईवे परियोजना क्षेत्र के लिए राहत|

हिमाचल की महिलाएं बन रहीं आर्थिक रूप से सशक्त: 2.57 लाख महिलाएं जुड़ीं शेयर बाजार और निवेश गतिविधियों से

शिमला। हिमाचल प्रदेश की महिलाएं अब केवल घरेलू जिम्मेदारियों तक सीमित नहीं रह गई हैं, बल्कि आर्थिक क्षेत्र में भी तेजी से अपनी मजबूत पहचान बना रही हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) की मार्केट पल्स रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि प्रदेश की लगभग 2.57 लाख महिलाएं शेयर ट्रेडिंग और विभिन्न निवेश गतिविधियों से जुड़ी हुई हैं। यह आंकड़ा न केवल महिलाओं की आर्थिक जागरूकता को दर्शाता है, बल्कि बदलते सामाजिक और वित्तीय माहौल की भी तस्वीर पेश करता है। रिपोर्ट के अनुसार हिमाचल प्रदेश की महिलाएं अब पारंपरिक बचत योजनाओं से आगे बढ़कर शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड, डिजिटल निवेश और ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म की ओर तेजी से आकर्षित हो रही हैं। खास बात यह है कि इनमें बड़ी संख्या युवा महिलाओं, कामकाजी पेशेवरों, शिक्षिकाओं, उद्यमियों और गृहिणियों की भी शामिल है।

ट्राइसिटी में मौसम का बड़ा बदलाव: 14 मई तक बारिश और तेज हवाओं का येलो अलर्ट जारी

चंडीगढ़, मोहाली और पंचकूला समेत पूरे ट्राइसिटी क्षेत्र में आने वाले दिनों में मौसम का मिजाज पूरी तरह बदलने वाला है। मौसम विभाग ने 11 मई से 14 मई तक क्षेत्र में बारिश, तेज हवाओं और गरज-चमक को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण उत्तर भारत के कई हिस्सों में मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा, जिसका असर ट्राइसिटी पर भी साफ दिखाई देगा। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक इस दौरान कई इलाकों में मध्यम से तेज बारिश हो सकती है, जबकि कुछ स्थानों पर तेज हवाएं 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की संभावना है। गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की आशंका को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। प्रशासन ने भी नागरिकों से खराब मौसम के दौरान अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलने की अपील की है। बीते कुछ दिनों से ट्राइसिटी में लगातार बढ़ रही गर्मी और उमस के बीच यह मौसम परिवर्तन लोगों के लिए

राहत लेकर आ सकता है। मौसम विभाग का कहना है कि बारिश और बादलों की गतिविधियों के कारण तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की जा सकती है। इससे दिन और रात दोनों के तापमान में कमी आने की संभावना है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव गर्मी से परेशान लोगों को राहत देगा, लेकिन तेज हवाएं और आंधी जनजीवन को प्रभावित भी कर सकती हैं। प्रशासन ने नगर निगम और संबंधित विभागों को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं। जलभराव वाले क्षेत्रों की निगरानी, पेड़ों की कटाई-छंटाई और बिजली आपूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए विशेष टीमें तैनात की जा रही हैं। वहीं ट्रैफिक पुलिस ने भी लोगों से सावधानीपूर्वक वाहन चलाने की अपील की है, क्योंकि बारिश के दौरान सड़कों पर फिसलन और विजिबिलिटी कम होने की आशंका रहती है। किसानों के लिए भी यह मौसम महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार बारिश फसलों के लिए लाभकारी हो सकती है, लेकिन तेज हवाओं से कुछ नुकसान की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। ऐसे में किसानों को भी मौसम विभाग की एडवाइजरी का पालन करने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे आधिकारिक मौसम अपडेट पर नजर बनाए रखें और किसी भी आपात स्थिति में प्रशासनिक निर्देशों का पालन करें। आने वाले चार दिन ट्राइसिटी के मौसम को पूरी तरह बदल सकते हैं और लोगों को गर्मी से राहत दिला सकते हैं।

भूस्खलन मुक्त हिमाचल की तैयारी: नई नीति लाने की दिशा में सरकार सक्रिय, 12 मई को होगी अहम बैठक

शिमला। पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में लगातार बढ़ रही भूस्खलन की घटनाओं को देखते हुए राज्य सरकार अब एक व्यापक और ठोस नीति तैयार करने की दिशा में सक्रिय हो गई है। प्रदेश में हर वर्ष मानसून और भारी बारिश के दौरान सड़कें टूटने, पहाड़ दरकने और जनजीवन प्रभावित होने की घटनाएं सामने आती रही हैं। इन्हीं गंभीर परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने भूस्खलन रोकथाम के लिए नई नीति बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस संबंध में 12 मई को प्रधान सचिव की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, तकनीकी विशेषज्ञ और भू-विज्ञान से जुड़े विशेषज्ञ भाग लेंगे। सरकारी सूत्रों के अनुसार प्रस्तावित नीति का मुख्य उद्देश्य भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों की पहचान करना, जोखिम को कम करना और भविष्य में होने वाले नुकसान को रोकना है। इसके तहत उन इलाकों का वैज्ञानिक सर्वेक्षण कराया जाएगा जहां बार-बार भूस्खलन की घटनाएं होती हैं। साथ ही पहाड़ों की कटाई, अवैज्ञानिक निर्माण कार्यों और अनियोजित विकास गतिविधियों पर भी सख्ती से निगरानी रखने की योजना बनाई जा रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि हिमाचल प्रदेश में तेजी से हो रहे सड़क निर्माण, चार लेन परियोजनाओं और अनियंत्रित निर्माण कार्यों के कारण पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना कमजोर हुई है। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन और अत्यधिक वर्षा ने भी स्थिति को और गंभीर बना दिया है। बीते कुछ वर्षों में शिमला, मंडी, कुल्लू, चंबा, किन्नौर और सिरमौर जैसे जिलों में बड़े स्तर पर भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे जान-माल का भारी नुकसान हुआ।

सरकार अब ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए तकनीक आधारित समाधान अपनाने पर विचार कर रही है। नई नीति में आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम, पहाड़ियों को मजबूत करने के उपाय, रिटेनिंग वॉल निर्माण, वृक्षारोपण और संवेदनशील क्षेत्रों में निर्माण गतिविधियों को नियंत्रित करने जैसे प्रावधान शामिल किए जा सकते हैं। इसके साथ ही आपदा प्रबंधन तंत्र को और मजबूत करने तथा समय रहते चेतावनी प्रणाली विकसित करने पर भी जोर दिया जाएगा।

TruSoft | GST ACCOUNTING SOFTWARE WITH INVENTORY CONTROLS ERP | Software that touches every part of your business.

Advertisement

SOFTWARE & WEB DEVELOPMENT

“Design is not just what it looks like and feels like. Design is how it works.”

CUSTOM SOFTWARE DEVELOPMENT | WEB DEVELOPMENT | MOBILE APP DEVELOPMENT | CLOUD SOLUTIONS

ACCURATE ACCOUNTING
INVENTORY CONTROLS
GST COMPLIANCE
SIMPLE & SECURE
RELIABLE SUPPORT

CALL US TODAY!
+91-9041012531

Software for Manufacturers, Traders, Dealers/Distributors

ALSO FOR:
Clinical Labs, Schools, Drycleaners, Transportation, Pharmaceuticals, Library, Non Banking/Finance, Weighing Scales, Institutes, Readymade Garments, Dairies, Cold Storage, Hotels, Restaurants, Apparels, Footwear, Shuttering, Sabzi Mandi

www.trusofterp.com | support@trusofterp.com | Smart Solutions. Stronger Businesses

herbegy™
Think pure think herbal

PREMIUM SPICES RANGE

Pure Spice. Rich Flavour.

PURE | AROMATIC | PREMIUM QUALITY

Advertisement

For Dealer Inquiry Contact:

727-515-0015